New Robot: बीज जितना बड़ा रोबोट जो बिना चीर-फाड़ करेगा सर्जरी, 1 सेकंड में पूरे करेगा 5 तरह के काम

Curated By: मोना दीक्षित | नवभारतटाइम्स.कॉम • 28 May 2026, 7:02 am IST

Subscribe

Robot: सिंगापुर की नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (NTU) के वैज्ञानिकों ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रिसर्चर ने बीज के आकार का सिर्फ 4.4 मिलीमीटर लंबा एक सर्जिकल रोबोट बनाया है। यह 1 सेकंड से भी कम समय में पांच काम कर सकता है।

Seed Sized Surgical Robot: बीज जितना बड़ा रोबोट। जी हां, यह सपना नहीं बल्कि हकीकत है। नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (NTU) सिंगापुर के रिसर्चर ने बीज के आकार का एक सर्जिकल रोबोट बनाया है। यह रोबोट 1 सेकंड से भी कम समय में 5 अलग-अलग काम कर सकता है। इस नए टूल या मशीन की मदद से डॉक्टर बिना बड़े कट या चीरे के मरीजों का इलाज बहुत आसानी से कर सकेंगे। यह डेवलपमेंट मेडिकल साइंस के लिए एक बड़ी उपलब्धि साबित हो सकता

है।

YOU MAY LIKE

SPONSORED LINKS BY TABOOLA

Use an AI Writing Tool That Actually Understands Your Voice
Grammarly
Install Now

4.4 मिलीमीटर लंबा रोबोट

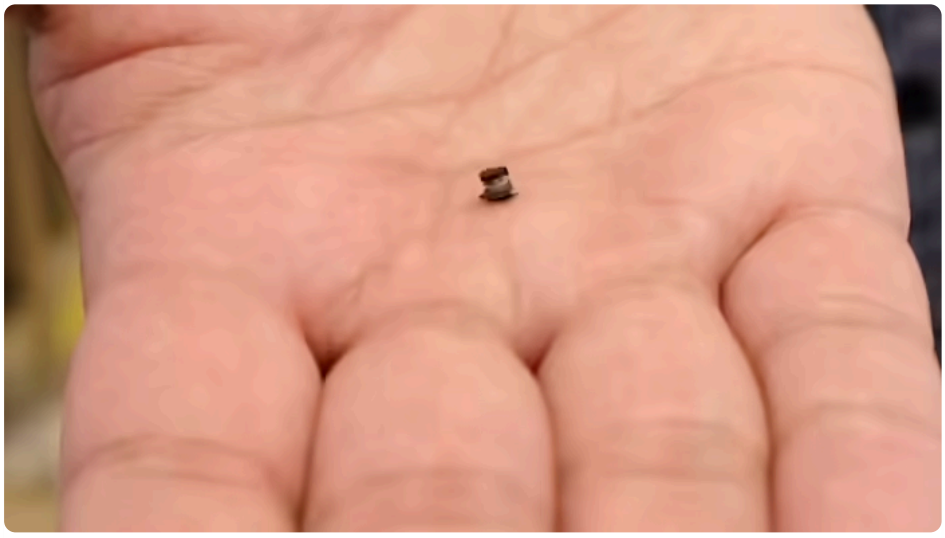

बीज के साइज का यह रोबोट सिर्फ 4.4 मिलीमीटर लंबा है। इसे बिना किसी तार के हल्के मैग्नेटिक फील्ड के जरिए दूर से ही कंट्रोल किया जा सकता है। अपने छोटे आकार के बावजूद, यह नरम सतहों पर चल सकता है, जैविक ऊतकों को काट सकता है, दवाएं छोड़ सकता है। यह शरीर के अंदर से मांस के छोटे से टुकड़े को पकड़कर सुरक्षित बाहर निकाल सकता है।

एक रोबोट, पांच काम

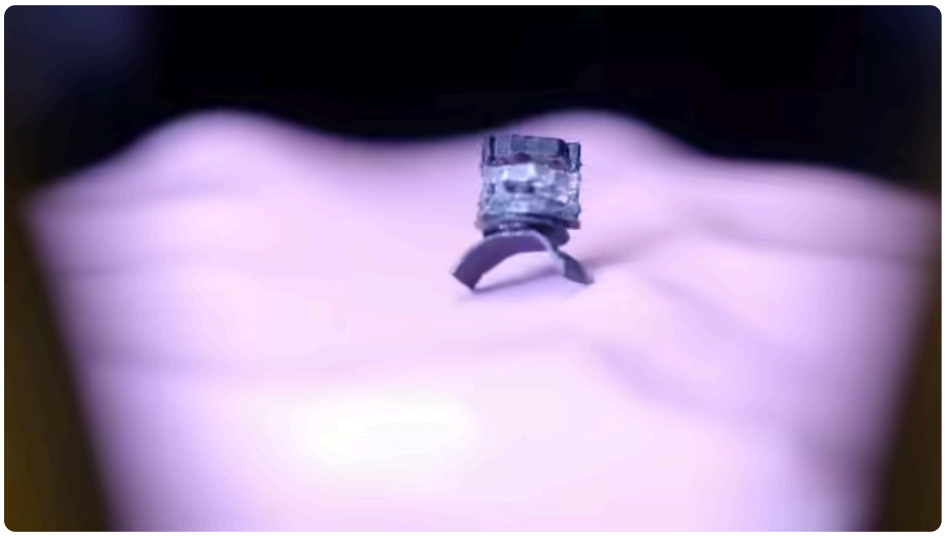

1. वैज्ञानिकों का कहना है कि यह डिवाइस छोटे रोबोटिक्स के क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही चुनौती को हल कर रहा है।
2. टेस्टिंग के दौरान दिखाया गया कि रोबोट जटिल वातावरण में घूमते हुए कई मेडिकल काम कर सकता है।
3. NTU का यह डिवाइस तेजी से कई अलग-अलग डिवाइस के बीच स्विच कर सकता है।
4. एसोसिएट प्रोफेसर लुम गुओ जान का कहना है कि इस तरह के ज्यादातर रोबोट सिर्फ एक या दो काम कर सकते हैं।
5. हमारा यह नया आविष्कार अब पांच काम कर सकता है और हमारा लंबे समय का लक्ष्य यह है कि डॉक्टर इन छोटे रोबोटों का इस्तेमाल शरीर के अंदर करें, उन्हें किसी खास जगह तक पहुंचाएं और उनका इस्तेमाल इलाज करने के लिए करें।

इंसानों के लिए सुरक्षित

वैज्ञानिकों ने इस नए मटीरियल की सुरक्षा जांचने के लिए इसे इंसानी त्वचा पर टेस्ट किया। टेस्ट में पाया गया कि 99 प्रतिशत से ज्यादा त्वचा की कोशिकाएं बिल्कुल सुरक्षित और जीवित रहीं। इससे साफ पता चलता है कि लैब में टेस्टिंग के दौरान यह मटीरियल इंसानी शरीर के लिए जहरीला या नुकसानदेह नहीं है।